RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 15 नवंबर से 21 नवंबर 2025 | भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष- 13 | अंक-66 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- रु. 5 /-

मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0: इनोवेशन और निवेश का नया केंद्र

CM यादव लॉन्च किया स्पेस टेक्नोलॉजी पॉलिसी; उज्जैन को स्पेस इनोवेशन हब बनाने का लक्ष्य

इंदौर : मध्य प्रदेश सरकार टियर-2 शहरों को भारत के तकनीकी क्रांति का केंद्र बनाने के लिए एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन किया गया। यह आयोजन 13 नवंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया गया, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्पेस टेक्नोलॉजी पॉलिसी-2025 लॉन्च किया। थीम पावरिंग टियर-2, प्रोपेलिंग इंडिया के तहत यह कॉन्क्लेव राज्य को वैश्विक तकनीक, इनोवेशन और निवेश का केंद्र बनाने पर केंद्रित है।

पिछले संस्करण की सफलता के बाद, कॉन्क्लेव 2.0 राज्य की तकनीकी और औद्योगिक प्रगति का अगला चरण रेखांकित करेगा। सीएम यादव ने कहा, यह आयोजन नीति, लोग और प्रगति का एकीकरण है, जो विकसित भारत 2047 की दिशा में मध्य प्रदेश को आगे ले जाएगा। स्पेस पॉलिसी उज्जैन को भारत का उभरता स्पेस इनोवेशन हब बनानेपर फोकस करेगी, जिसमें सैटेलाइट, लॉन्च सर्विसेज और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। ड्रोन टेक्नोलॉजी और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCC) पर विशेष सत्र होंगे।

कॉन्क्लेव में 30 से अधिक GCC लीडर्स के साथ MP GCC लीडरशिप कनेक्ट सेशन होगा। यह राज्य को इनोवेशन, स्किलिंग और उद्यमिता का केंद्र बनाने की दिशा में कदम है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहर तेजी से तकनीकी हब बन रहे हैं। विजन डॉक्यूमेंट MP GCC के लिए तैयार किया जा रहा है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के आयोजन में IT पार्क, डिजिटल पॉलिसी और स्किलिंग पहलों पर घोषणाएं होंगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कॉन्क्लेव राज्य में नौकरी सृजन और निवेश को गति देगा।

यह आयोजन मध्य प्रदेश को वैश्विक पटल पर स्थापित करेगा।

मध्य प्रदेश को 'टॉप अचीवर स्टेट' का सम्मान: व्यापार सुधारों में शीर्ष स्थान

DPIIT के BRAP 2022 में उत्कृष्ट प्रदर्शन, निवेश आकर्षण और उद्योग विकास को बल; अन्य राज्यों को भी प्रोत्साहन

नई दिल्ली: मध्य प्रदेश ने व्यापार सुधारों (बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान - BRAP 2022) में 'टॉप अचीवर स्टेट' का सम्मान हासिल किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यह पुरस्कार प्रदान किया। डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (DPIIT) द्वारा यह सम्मान दिया गया, जिसमें राज्य के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रधान सचिव राघवेंद्र सिंह ने स्मृति चिन्ह प्राप्त किया।

BRAP 2022 में 25 सुधार क्षेत्रों (15 व्यवसायिक और 10 नागरिक) का मूल्यांकन किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह सम्मान व्यवसायों और नागरिक सेवाओं को सरल, कुशल और पारदर्शी बनाने के प्रयासों को मान्यता देता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसे 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' डॉ. मोहन यादव ने इसे 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' की दिशा में मील का पत्थर बताया। राज्य ने रोजगार सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर नागरिकों को सशक्त किया, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (EoDB) रैंकिंग में सुधार हुआ।

मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (MPIDC) के एमडी चंद्रमौली शुक्ला ने कहा, यह मान्यता राज्य के प्रगतिशील पहलों का प्रमाण है। हम निवेशकों को एकल खिड़की प्रणाली और तेज अनुमोदन से आकर्षित कर रहे हैं। राज्य ने हाल ही में 1.8 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव हासिल किए, जिसमें 1 लाख नौकरियां सृजित होने का अनुमान है।

अन्य राज्यों में आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, तमिलनाडु और तेलंगाना टॉप अचीवर्स बने, जबकि हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश अचीवर्स श्रेणी में रहे। BRAP का उद्देश्य राज्यों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा कर व्यवसायिक

माहौल सुधारना है। विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य प्रदेश का प्रदर्शन निवेश को गति देगा, जो 2030 तक राज्य की GDP को दोगुना करने में मदद करेगा। यह सम्मान 'विकसित भारत' के विजन को मजबूत करता है।

भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र आकर्षित कर रहा $4.7 अरब संस्थागत निवेश: 2025 के पहले 9 महीनों में 10% गिरावट के बावजूद मजबूत संकेत

कश्मन एंड वेकफील्ड रिपोर्ट: ऑफिस में 35% निवेश, मुंबई $1.2 अरब के साथ अग्रणी; साल के अंत तक $6-6.5 अरब की उम्मीद

मुंबई: भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र 2025 के पहले नौ महीनों में संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर रहा है, जहां कुल $4.7 अरब का निवेश हुआ। कश्मन एंड वेकफील्ड की 'इंडिया कैपिटल मार्केट्स Q3 2025' रिपोर्ट के अनुसार, यह राशि पिछले वर्ष की समान अवधि के $5.2 अरब से 10% कम है। फिर भी, क्षेत्र साल के अंत तक $6-6.5 अरब के रिकॉर्ड स्तर को छू सकता है, जो दूसरा सर्वश्रेष्ठ वर्ष साबित होगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की मजबूत आर्थिक आधारभूत संरचना, घरेलू मांग और शासन ढांचे ने निवेशकों का विश्वास बनाए रखा। ऑफिस संपत्तियों ने $1.5 अरब के साथ 35% हिस्सा लिया, उसके बाद रेजिडेंशियल 26%, रिटेल 12% और लॉजिस्टिक्स व इंडस्ट्रियल 9%। विदेशी निवेशक सतर्क हैं, लेकिन घरेलू निवेशकों की भागीदारी 50% तक पहुंच गई, जो बाजार की परिपक्वता दर्शाती है।

मुंबई ने $1.2 अरब के निवेश से चौथा लगातार वर्ष $1 अरब का आंकड़ा पार किया, जो प्री-पैंडेमिक स्तर पर लौटने का संकेत है। बेंगलुरु दूसरे स्थान पर रहा। कश्मन एंड वेकफील्ड के एक्जीक्यूटिव मैनेजिंग डायरेक्टर सोमी थॉमस ने कहा, मुंबई की कनेक्टिविटी परियोजनाएं जैसे ट्रांस हार्बर लिंक और कोस्टल रोड निवेशकों का विश्वास बढ़ा रही हैं। REIT बाजार में भी सकारात्मक रुझान है, जहां सभी लिस्टेड ऑफिस REITs ने BSE रियल्टी इंडेक्स से बेहतर रिटर्न दिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि RERA और GST जैसे सुधारों से पारदर्शिता बढ़ी है। 2030 तक $1ट्रिलियन बाजार लक्ष्य के साथ, संस्थागत निवेश रोजगार सृजन और शहरीकरण को गति देंगे। हालांकि, वैश्विक व्यापार घर्षण चुनौती बने रहेंगे। यह प्रवाह भारत की रियल एस्टेट को वैश्विक पटल पर मजबूत बनाता है।

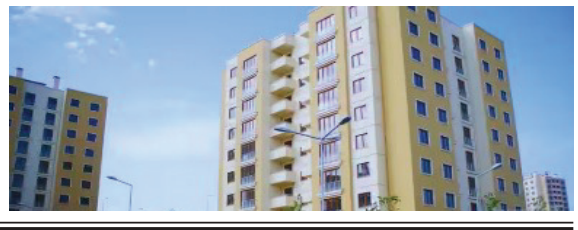

एक्सिस मैक्स लाइफ में IFC का 285 करोड़ निवेश: वित्तीय समावेशन को गति

वर्ल्ड बैंक ग्रुप के सदस्य ने सबऑर्डिनेटेड इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए निवेश किया; सॉल्वेंसी मजबूत, 'बीमा सबके लिए 2047' लक्ष्य को बल

नई दिल्ली: वर्ल्ड बैंक ग्रुप के सदस्य इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (IFC) ने एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड (पहले मैक्स लाइफ) में 285 करोड़ रुपये (लगभग 33 मिलियन डॉलर) का निवेश किया है। यह लंबी अवधि के सबऑर्डिनेटेड इंस्ट्रूमेंट्स के माध्यम से किया गया, जो कंपनी की सॉल्वेंसी मार्जिन को मजबूत करेगा और जीवन बीमा क्षेत्र में विस्तार को गति देगा। यह IFC का भारत के लाइसेंस प्राप्त जीवन बीमा क्षेत्र में पहला निवेश है।

IFC के एशिया पैसिफिक अंतरिम क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एलन फोरलेमू ने कहा, जीवन बीमा परिवार की सुरक्षा कवच है। हम महिलाओं और असेवित समुदायों के लिए बीमा पहुंच बढ़ाने के अवसर का स्वागत करते हैं। यह 'बीमा सबके लिए 2047' विजन से मेल खाता है। निवेश से भारत केबीमा उद्योग को मजबूती मिलेगी, जो पूंजी साधनों में विश्वास बढ़ाएगा, संस्थागत और विदेशी निवेश आकर्षित करेगा तथा मूल्य श्रृंखला में रोजगार सृजित करेगा।

एक्सिस मैक्स लाइफ के एमडी और सीईओ सुमित मदन ने कहा, IFC के साथ साझेदारी से हम असेवित वर्गों, विशेषकर महिलाओं और कम आय वाले समुदायों तक जीवन बीमा पहुंचाएंगे। FY25 में कंपनी का सकल लिखित प्रीमियम 33,223 करोड़ रुपये रहा। वर्तमान में भारत में जीवन बीमा घनत्व 3% और प्रवेश 1% है, जो FY26 बजट में 100% विदेशी निवेश की अनुमति से बढ़ेगा।

यह निवेश वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे बीमा क्षेत्र का विकास तेज होगा। शेयर बाजार में एक्सिस बैंक के शेयर 1.5% चढ़े। यह कदम भारत को वैश्विक बीमा बाजार में मजबूत बनाएगा।

AXIS BANK
MAX LIFE INSURANCE

IndusInd Bank Cracks Down on Former Executives: Plans to Claw Back Salaries and Bonuses Over MisconductAWL's Packaged Foods Pivot

Internal Review Uncovers Lapses in Derivative Trades; $230M Accounting Hit Prompts Action Against Ex-CEO Sumant Kathpalia and Deputy Arun Khurana

Mumbai: In a rare and aggressive move to enforce accountability, IndusInd Bank has initiated proceedings to claw back salaries and bonuses from its former chief executive Sumant Kathpalia and deputy CEO Arun Khurana, following an internal review that uncovered misconduct and misreporting linked to derivative trades. Sources familiar with the matter told Reuters that the bank is seeking legal opinion to invoke clawback provisions under its code of conduct and RBI guidelines.

The scrutiny stems from a $230 million (Rs 1,930 crore) accounting anomaly disclosed earlier this year, which triggered record quarterly losses and a sharp stock plunge. The review, spanning December 2023 to March 2025, flagged irregularities in internal derivative transactions, leading to Kathpalia and Khurana's abrupt exits in May. Potential recoveries could target their fixed pay Rs 75 crore for Kathpalia and Rs 50 crore for Khurana in FY25 plus exercised stock options and bonuses. The bank's board views these as "serious lapses warranting disciplinary action," per the code, though the exact amount remains undisclosed.

This follows Mumbai Police's Economic Offences Wing (EoW) probe into the duo and others for alleged insider trading. SEBI has already barred them from securities markets pending investigation. "The board aims to complete an organizational overhaul by April 2026," a source noted.

Clawbacks, enabled by 2019 RBI norms, are uncommon in India, with only two precedents. IndusInd's push sets a precedent for governance in private banking. Shares dipped 0.5% to Rs 826 amid the news, but analysts see it as a step toward restoring trust. As the bank eyes recovery from Q2 losses, this action underscores a zero-tolerance stance on executive malfeasance.

Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor

Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor

Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

Behavioral Investing: Why Emotions Are the Biggest Enemy of Wealth Creation

"The investor's chief problem—and even his worst enemy—is likely to be himself."
— Benjamin Graham, Father of Value Investing

When it comes to investing, most people think success depends on choosing the right stock or mutual fund. But in reality, the biggest factor that decides your success is your own behavior. This is called Behavioral Investing: the study of how our emotions and psychology influence our investment decisions.

Many investors lose money not because of bad investments, but because of bad timing driven by fear and greed. Understanding and controlling these emotions can make the difference between building wealth and losing it.

What is Behavioral Investing?

Behavioral investing looks at how human emotions, biases, and habits affect financial decisions. It helps us understand why we buy or sell when we shouldn't. Even smart investors fall into emotional traps because money is deeply connected to feelings like safety, pride, and fear.

In simple words- you can learn all about the stock market, but if you can't control your emotions, your knowledge won't help much.

The Fear-Greed Cycle

Two powerful emotions - fear and greed - drive most market movements.

1. Greed: When the market is rising, we feel excited. Everyone talks about stocks, and we don't want to miss out. We buy more, even at high prices.

2. Fear: When markets fall, panic sets in. We see losses and rush to sell often at the worst possible time.

This cycle repeats again and again, causing investors to buy high and sell low the opposite of what they should do.

A calm investor who continues investing during tough times usually earns better returns in the long run. As Warren Buffett says, "Be fearful when others are greedy and greedy when others are fearful."

Common Behavioral Biases

1. Herd Mentality: Following what others are doing. If everyone buys a stock, we also want to buy — without checking if it's right.
2. Overconfidence: Thinking we know everything about the market and ignoring risks.
3. Loss Aversion: Feeling losses more strongly than gains. A small loss can scare us into quitting.
4. Short-Term Thinking: Focusing on daily ups and downs instead of long-term growth.

These biases silently affect how we invest, and recognizing them is the first step to avoiding mistakes.

How to Control Emotions in Investing

1. Start with a plan: Set clear goals and stick to them.

2. Use SIPs (Systematic Investment Plans): Investing small amounts regularly removes emotion from timing decisions.

3. Diversify: Don't put all your money in one stock or sector.

4. Take advice: A good financial advisor or planner helps you stay disciplined.

Remember, investing is a marathon, not a sprint. Patience, discipline, and emotional control matter more than quick profits.

Final Thought:

Wealth creation is not just about numbers- it's about mindset. If you can manage your emotions, you can manage your wealth.

So, the next time the market goes up or down, take a deep breath, stay calm, and remember:

"Successful investing is not about being smarter than others-it's about being more disciplined than others."

Dr. Irshad Ahmod Khan
Sub-Editor

बिकाजी फूड्स ने अमेरिकी सहायक कंपनी में 5 लाख डॉलर का निवेश किया: वैश्विक विस्तार को गति

US में वितरण नेटवर्क मजबूत करने का प्रयास, FY25 में $17 लाख टर्नओवर; पेटुंट फूड प्रोसेसर्स को पूर्ण स्वामित्व

नई दिल्ली: भारतीय स्नैकिंग दिग्गज बिकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपनी अमेरिकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बिकाजी फूड्स इंटरनेशनल USA कॉर्प में 5 लाख डॉलर (लगभग 4.2 करोड़ रुपये) का अतिरिक्त निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी के बोर्ड ने मंगलवार को इसकी मंजूरी दी, जिससे US में वितरण नेटवर्क को मजबूती मिलेगी। यह निवेश 50,000 कॉमन स्टॉक के रूप में किया जाएगा, जो कंपनी की वैश्विक विस्तार रणनीति का हिस्सा है।

बिकाजी USA, जो जुलाई 2023 में न्यू जर्सी में स्थापित हुई, FY25 में 17.69 लाख डॉलर का टर्नओवर दर्ज कर चुकी है। कंपनी का फोकस भुजिया, नमकीन, मिठाई, फ्रोजन फूड जैसे भारतीय स्नैक्स और अन्य खाद्य उत्पादों के व्यापार पर है। बोर्ड ने पेटुंट फूड प्रोसेसर्स प्राइवेट लिमिटेड को 4 करोड़ रुपये का लोन देने और 35,98,998 इक्विटी शेयर खरीदकर इसे पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक बनाने का भी फैसला लिया। पेटुंट FMCG सेक्टर में मिठाई और नमकीन का उत्पादन करती है, जिसका FY25 टर्नओवर 52.07 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी के चेयरमैन शरद अग्रवाल ने कहा, यह निवेश US बाजार में हमारी पहुंच बढ़ाएगा और ग्राहकों को बेहतर पहुंच सुनिश्चित करेगा। बिकाजी का Q2 FY26 राजस्व 11.27% बढ़कर 790 करोड़ रुपये हो गया, जबकि EBITDA 18.18% उछलकर 130 करोड़ रुपये पहुंचा। कंपनी का लक्ष्य डबल-डिजिट ग्रोथ है, जिसमें प्रीमियमाइजेशन और विस्तार पर फोकस है।

विशेषज्ञों का मानना है कि US निवेश भारतीय स्नैकिंग ब्रांड को वैश्विक पटल पर मजबूत बनाएगा। शेयर बाजार में इस खबर से बिकाजी के शेयर 2% चढ़े। यह कदम FMCG सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।

Asian Paints Stokes Decorative Boom: 10.9% Volume Surge Signals Festive Revival

Q2 FY26 Revenue Up 5.3% to Rs 8,003 Cr; Margin Expansion and Rural Demand Fuel Double-Digit Growth in Paints

Mumbai: Asian Paints Ltd, India's largest paint maker, reported a robust 10.9% volume growth in its decorative segment for Q2 FY26, driven by festive demand, rural recovery, and extended monsoons boosting repainting cycles. Consolidated revenue rose 5.3% year-on-year to Rs 8,003 crore, with standalone net profit climbing 11.7% to Rs 1,228 crore, per the company's exchange filing.

CEO Amit Syngle attributed the uptick to "strong double-digit growth in the domestic decorative business," fueled by premium products and expanded distribution. The paintsdivision's EBITDA margin expanded 200 basis points to 19.5%, aided by lower raw material costs and operational efficiencies. Home décor ventures, including Bath & Kitchen, contributedRs 150 crore, up 20% sequentially.

Asian Paints commands over 55% market share in decorative paints, with volumes rebounding after a muted FY25. Rural channels grew 12%, outdating urban premiumization. The company invested Rs 500 crore in capex for new plants in Uttar Pradesh and Tamil Nadu, targeting 20% capacity addition by FY27. Despite a 2% dip in industrial coatings due to auto sector slowdown, overall prospects remain bright. Analysts forecast 12-15% revenue growth for FY26, with margins sustaining above 18%. Shares rose 3.2% to Rs 2,850 on BSE, reflecting investor confidence in the Rs 75,000 crore decorative market's resilience. As housing and infrastructure spending accelerates, Asian Paints is poised to capitalize on India's urbanization wave, reinforcing its brush with sustained prosperity.

JSW Energy Launches India's Largest Green Hydrogen Plant in Karnataka: A Milestone for Clean Steel Production

Vijayanagar Facility to Supply 3,800 TPA to JSW Steel's DRI Unit; Part of National Green Hydrogen Mission with 2030 Goal of 5 MTPA

Vijayanagar: JSW Energy Limited has commissioned India's first and largest green hydrogen manufacturing plant at Vijayanagar in Karnataka, marking a pivotal step in the nation's clean energy transition. Strategically located adjacent to the JSW Steel facility, the plant will directly supply green hydrogen to the steelmaker's Direct Reduced Iron (DRI) unit, enabling low-carbon steel production and reducing reliance on fossil fuels.

Developed under the Production Linked Incentive (PLI) Scheme Tranche I of the government's National Green Hydrogen Mission, the facility boasts an annual capacity of 3,800 tonnes of green hydrogen and 30,000 tonnes of green oxygen. This is part of JSW Energy's 6,800 tonnes per annum (TPA) allocation under the Strategic Interventions for Green Hydrogen Transition (SIGHT) programme by the Solar Energy Corporation of India (SECI). A seven-year offtake agreement with JSW Steel ensures seamless integration, while a Memorandum of Understanding (MoU) outlines scaling to 85,000-90,000 TPA of green hydrogen and 720,000 TPA of green oxygen by 2030.

Sharad Mahendra, Joint Managing Director and CEO of JSW Energy, emphasized, "We are proud to commission India's first green hydrogen plant under the National Green Hydrogen Mission. This initiative will play a pivotal role in shaping a sustainable and Atmanirbhar Bharat." The plant aligns with India's ambitious target of producing approximately 5 million tonnes per annum (MTPA) of green hydrogen by 2030, supporting the steel sector's decarbonisation efforts.

JSW Energy currently holds a locked-in generation capacity of 30.5 GW, including 13.3 GW operational and 12.5 GW under construction across thermal and renewable projects. The company aims for 30 GW generation and 40 GWh energy storage by FY30, achieving carbon neutrality by 2050. This green hydrogen venture reinforces JSW's leadership in sustainable energy, potentially cutting CO2 emissions by thousands of tonnes annually in steelmaking.

Experts hail the project as a blueprint for industrial greening, with JSW Energy's shares rising 1.8% to Rs 725 on BSE post-announcement. As India pushes for net-zero by 2070, such innovations bridge the gap between ambition and execution, powering a cleaner industrial future.

Lupin Unit Unveils Dedicated Oncology Block at Vizag Plant, Boosting Global CDMO Capabilities

High-Containment Facility Targets HPAPIs for Cancer Drugs; Marks Milestone in Oncology Innovation and Manufacturing

Lupin Manufacturing Solutions (LMS), a wholly owned subsidiary of global pharmaceutical major Lupin Limited, has commissioned a state-of-the-art dedicated Oncology Block at its Visakhapatnam (Vizag) facility in Andhra Pradesh. This high-containment unit significantly enhances LMS's Contract Development and Manufacturing Organization (CDMO) capabilities for High Potent Active Pharmaceutical Ingredients (HPAPIs), addressing the surging global demand in oncology drug development.

The new block integrates a Process Development Laboratory with a dedicated Quality Control Laboratory, enabling seamless early-stage route scouting, analytical development, process optimization, and validation all under one roof. This end-to-end ecosystem accelerates oncology treatments from concept to commercialization, combining Lupin's scientific expertise with advanced containment and regulatory excellence.

"The inauguration of our Oncology Block in Vizag exemplifies our commitment to advancing oncology research and manufacturing, said Dr. Abdelaziz Toumi, CEO of LMS. "This state-of-the-art facility enhances our capacity to produce high-quality APIs and develop impactful therapies that benefit patients globally.

The expansion positions LMS as a trusted global CDMO partner for oncology innovators, supporting the development of targeted cancer therapies amid a pipeline of over 1,000 oncology drugs worldwide. With 15 advanced manufacturing facilities and 7 research centers, Lupin now strengthens its focus on high-value, complex molecules. The Vizag unit, compliant with stringent international standards, will cater to clients in the US, Europe, and Asia.

Lupin's shares rose 2.07% to Rs 2,016.60 on the BSE following the announcement, reflecting investor confidence in theCDMO arm's growth trajectory. As oncology treatments evolve toward precision medicine, this facility could unlock $500 million in new revenue by FY28, analysts estimate.

The move aligns with India's push for self-reliance in APIs, reducing import dependence from 80% to under 50% by 2030. Lupin's Vizag expansion not only bolsters its oncology portfolio but also cements India's role as a CDMO powerhouse, fostering innovation that promises faster, safer cancer care worldwide.

Adani Cement Pioneers World's First Commercial Roto-Dynamic Heater for Cement Decarbonisation

Coolbrook Partnership Targets Calcination Phase at Andhra Plant; Aims to Slash 60,000 Tonnes CO2 Annually, Powered by Renewables

Boyareddypalli: In a landmark collaboration, Adani Cement and Finland-based Coolbrook have inked an agreement to deploy the world's first commercial Roto-Dynamic Heater (RDH) technology at Adani's Boyareddypalli Integrated Cement Plant in Andhra Pradesh. This pioneering initiative, announced on Tuesday, focuses on decarbonising the energy-intensive calcination phase of cement production the most fossil fuel-dependent stage using clean, renewable-powered heat.

The RDH system, Coolbrook's innovative Roto-Dynamic technology, replaces traditional fossil fuel burners with electricity-driven, high-temperature heat generation, potentially cutting CO2 emissions by 60,000 tonnes annually at the plant. Powered entirely by Adani's large-scale renewable portfolio,it marks a scalable model for "This is a major leap towards achieving our net-zero goals by 2050, validated by the Science Based Targets initiative," said Vinod Bahety, CEO-Cement Business, Adani Group.

Joonas Rauramo, CEO of Coolbrook, hailed the partnership as a transformative step for industrial electrification in one of the world's vital cement markets. The duo has identified follow-on opportunities, targeting at least five additional projects within two years across Adani's operations.

Cement production, accounting for 8% of global CO2 emissions, faces mounting pressure to go green. Adani Cement, part of the Adani Group's diversified empire, aims to position India as a clean manufacturing hub.

This deployment could amplify emissions reductions tenfold, aligning with national targets of 500 GW non-fossil capacity by 2030.

Experts view it as a blueprint for replication in steel and chemicals. Shares of Adani Enterprises rose 1.2% to Rs 2,950 on BSE, reflecting market optimism. As global decarbonisation accelerates, this Indo-Finnish tie-up could redefine sustainable cementing, blending innovation with scalability.

Patanjali's 'Dhoka' Ad Banned: Delhi High Court Halts Disparaging Chyawanprash Campaign

Dabur's Plea Wins Interim Relief; Justice Karia Slams Generic Disparagement, Orders Removal from All Platforms Within 72 Hours

New Delhi: The Delhi High Court has restrained Patanjali Ayurved and Patanjali Foods from broadcasting an advertisement that brands competing Chyawanprash products as "dhoka" (deception), deeming it a case of commercial disparagement. Justice Tejas Karia issued the interim order on Monday, directing the Baba Ramdev-led firm to remove the ad from all electronic, digital, print, and social media platforms within 72 hours.

The 25-second ad, titled 51 Herbs. 1 Truth. Patanjali Chyawanprash!, featured a woman feeding her child Chyawanprash and saying, "Chalo dhoka khao," followed by Ramdev claiming, "Adhikansh log Chyawanprash ke naam par dhoka kha rahe hain." Dabur India, the market leader with over 61% share, filed the suit alleging it misled consumers and denigrated the entire category, violating fair competition norms.

Justice Karia observed that while Patanjali didn't name Dabur, the ad's tone and intent disparaged all other Chyawanprash brands, implying only its product is genuine. "Anybody manufacturing Ayurvedic products per statutes cannot be denigrated as deceptive," the court ruled, noting Ramdev's influence as a yoga authority amplifies the misleading impact. Patanjali defended it as "puffery," but the bench rejected free speech claims under Article 19(1)(a), prioritizing consumer protection.

The next hearing is on February 26, 2026. Patanjali must cease similar ads implying rivals lack medical value. This echoes earlier HC curbs on Patanjali's claims, like for Coronil. Dabur hailed the order as a win for ethical advertising, while Patanjali has yet to comment. The Rs 5,000 crore Chyawanprash market, dominated by Dabur and Patanjali, faces renewed scrutiny over Ayurvedic claims amid rising consumer awareness.

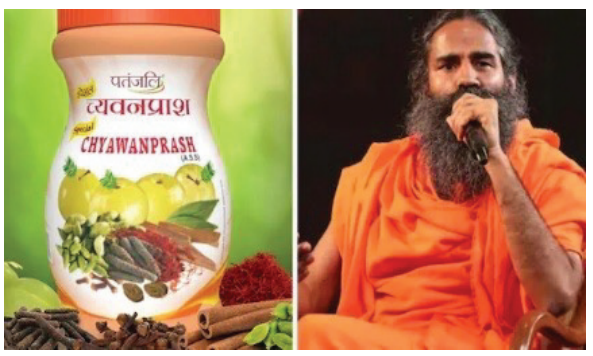

टाटा पावर की योजना: भारत का सबसे बड़ा सोलर वाफर्स और इंगॉट्स प्लांट स्थापित करने की तैयारी

10 GW क्षमता वाला प्लांट, सेल-मॉड्यूल चेन को पूरा करेगा; सरकारी प्रोत्साहन पर नजर, 2030 तक आत्मनिर्भरता का लक्ष्य

मुंबई: टाटा पावर कंपनी लिमिटेड भारत का सबसे बड़ा सोलर वाफर्स और इंगॉट्स निर्माण प्लांट स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा ने मंगलवार को कमाई कॉल के दौरान घोषणा की कि यह प्लांट 10 गीगावाट (GW) क्षमता वाला होगा। वाफर्स और इंगॉट्स सोलर सेल्स के मूल घटक का उत्पादन सोलर मैन्युफैक्चरिंग चेन को पूरा करेगा। वर्तमान में, कंपनी के पास 4.9 GW की एकीकृत सेल और मॉड्यूल क्षमता है।

सिन्हा ने कहा, मॉड्यूल्स की क्षमता पर्याप्त है और कई सेल प्लांट्स निर्माणाधीन हैं। इसलिए, हम वाफर्स और इंगॉट्स पर फोकस कर रहे हैं। यह कदम अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित सोलर मॉड्यूल निर्यात को कम आकर्षक बनाने के बीच आया है। अदानी ग्रुप के 2 GW प्लांट के बाद, टाटा पावर का यह प्रयास भारत को चीन पर निर्भरता से मुक्त करेगा। कंपनी सरकारी प्रोत्साहन जैसे PLI स्कीम का लाभ उठाने पर विचार कर रही है। स्थान राज्य सब्सिडी पर निर्भर करेगा।

टाटा पावर का Q2 FY26 शुद्ध लाभ 0.7% घटकर 919 करोड़ रुपये रहा, लेकिन राजस्व 5% बढ़ा। कंपनी 2030 तक नवीकरणीय क्षमता को 15 GW तक ले जाने का लक्ष्य रखे हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्लांट भारत के 500 GW नॉन-फॉसिल लक्ष्य को गति देगा। शेयर बाजार में इस खबर से कंपनी के शेयर 2% चढ़े। यह कदम 'मेक इन इंडिया' को मजबूत करेगा।

CAMS की तकनीक और AI नवाचार: म्यूचुअल फंड पारिस्थितिकी तंत्र में तेजी से वृद्धि का इंजन

CAMSLens और AI एकीकरण से अनुपालन तेज, 52 लाख करोड़ AUM पर 68% बाजार हिस्सेदारी; 900 मिलियन ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड

मुंबई: कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (CAMS), भारत का प्रमुख म्यूचुअल फंड रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट, अपनी तकनीकी और AI नवाचारों से म्यूचुअल फंड उद्योग की घातक वृद्धि को गति दे रहा है। कंपनी ने CAMSLens लॉन्च किया है, जो AI-संचालित टूल है। यह रीयल-टाइम में नियामक परिवर्तनों का संदर्भ विश्लेषण प्रदान करता है, जिससे अनुपालन और जोखिम प्रबंधन आसान होता है।

CAMS के एमडी और सीईओ वी. नरसिम्हन ने कहा, "हमारी AI एकीकरण से ट्रांजेक्शन क्षमता दोगुनी हो जाएगी। सितंबर 2025 तक कंपनी के पास 52 लाख करोड़ रुपये का AUM है, जो उद्योग का 68% हिस्सा है। पिछले वर्ष 900 मिलियन वित्तीय ट्रांजेक्शन निष्पादित किए गए, और 2025 में छह नई म्यूचुअल फंड हाउस एंजेल वन, यूनिफाई, जियो ब्लैकरॉक, सेबैंक श्रीलंका, टॉरस और चॉइस को लाइव किया। अद्वितीय निवेशकों की संख्या 4.3 करोड़ हो गई, जो 17% सालाना वृद्धि दर्शाती है।

क्लाउड और AI पर भारी निवेश से CAMS म्यूचुअल फंड, बीमा, AIF और लेंडिंग सेवाओं में विस्तार कर रहा है। GIFT सिटी में चार वर्षों से उपस्थिति वृद्धि का प्रमुख स्तंभ बनी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि CAMS की AI-आधारित प्लेटफॉर्म उद्योग को 2X वॉल्यूम संभालने में सक्षम बनाएगी। FY26 में 20% राजस्व वृद्धि की उम्मीद है। यह नवाचार भारत के 70 लाख करोड़ AUM लक्ष्य को गति देगा। शेयर बाजार में CAMS के शेयर 3% चढ़े।

PNGRB गैस सुधार पैनल में दरार: GAIL चीफ का असहमति नोट प्रमुख सिफारिशों पर

LNG रीसेल सीमा हटाने और स्वतंत्र पाइपलाइन ऑपरेटर पर विवाद, अदानी-टोरेंट जैसे उपभोक्ताओं का समर्थन; घरेलू गैस उपयोग बढ़ाने की कोशिश

नई दिल्ली: पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (PNGRB) की गैस सुधार पैनल में गहरी दरार उभर आई है। GAIL के चेयरमैन संदीप गुप्ता ने प्रमुख सिफारिशों पर औपचारिक असहमति नोट जारी किया है, जो पैनल को देश की सबसे बड़ी गैस मार्केटर और प्रमुख उपभोक्ताओं-अदानी टोटल, NTPC और टोरेंट के बीच युद्धक्षेत्र बना रहा है। पैनल ने घरेलू गैस उपयोग बढ़ाने के लिए LNG रीसेल सीमा हटाने, स्वतंत्र पाइपलाइन ऑपरेटर बनाने, रीयल-टाइम बुकिंग सिस्टम, CNG एक्साइज हटाने, पाइपलाइन फंडिंग, PNG सब्सिडी और कम दर पर GST शामिल करने जैसे बड़े सुधार सुझाए हैं।

ईकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सात सदस्यीय पैनल में गुप्ता ने घरेलू गैस बिक्री अनुबंधों पर आपत्ति जताई। पूर्व ONGC और PNGRB चीफ डीके सर्राफ की अगुवाई वाले पैनल में NTPC, अदानी टोटल गैस, टोरेंट गैस और कार्माइन एनर्जी के CEO शामिल हैं। गुप्ता ने पारदर्शी टैरिफ फ्रेमवर्क कैपिटल-कॉस्ट बोली और डिस्काउंटेड कैश फ्लो पर आधारित—पर भी असहमति जताई, जो ROCE से शिफ्ट करके इक्विटी-आधारित रिटर्न पर जोर देता है।

यह विवाद गैस क्षेत्र में सुधारों को प्रभावित कर सकता है, जहां GAIL का 70% बाजार हिस्सा है। पैनल का उद्देश्य गैस उपयोग को 15% से बढ़ाकर 25% करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि असहमति से नीतियां लटक सकती हैं, लेकिन उपभोक्ता कंपनियां स्वागत कर रही हैं। PNGRB चेयरमैन अनिल जैन ने कहा, सिफारिशें पारदर्शिता बढ़ाएंगी। GAIL ने कोई टिप्पणी नहीं की। यह रिफ्ट ऊर्जा सुरक्षा और निवेश को प्रभावित करेगी।

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock name	losing Rat	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	25910	26686	26347	26129	25790	25572	25233	25015
BANK NIFTY	58518	59913	59265	58891	58243	57869	57221	56847
SENSEX	84563	87070	85994	85279	84203	83488	82412	81697
FINNIFTY	27492	28191	27857	27674	27340	27157	26823	26640
MIDCAP	13865	14578	14268	14066	13756	13554	13244	13042
ACC	1839	1887	1875	1857	1845	1827	1815	1797
AXISBANK	1246	1294	1270	1258	1234	1222	1198	1186
ABCAPITAL	332	356	347	340	331	324	315	308
BHARTIARTL	2097	2251	2180	2138	2067	2025	1954	1912
BHEL	282	321	306	294	279	267	252	240
BIOCON	411	478	450	431	403	384	356	337
CDSL	1627	1757	1710	1669	1622	1581	1534	1493
DATAPATTERN	3090	3774	3445	3268	2939	2762	2433	2256
ESCORTS	3556	3739	3693	3625	3579	3511	3465	3397
EICHERMOTOR	6696	7142	7043	6869	6770	6596	6497	6323
FEDERAL BANK	236	245	243	239	237	233	231	227
GRINFRAPOJECT	1111	1214	1187	1149	1122	1084	1057	1019
HDFCBANK	989	1023	1011	1000	988	977	965	954
HCLTECH	1597	1724	1664	1631	1571	1538	1478	1445
HINDUNILVR	2426	2482	2457	2442	2417	2402	2377	2362
HAL	4729	5159	5040	4884	4765	4609	4490	4334
HYUNDAI	2354	2539	2491	2423	2375	2307	2259	2191
IOC	171	181	178	174	171	167	164	160
ICICIBANK	1373	1444	1417	1395	1368	1346	1319	1297
INFY	1506	1614	1585	1546	1517	1478	1449	1410
ITC	408	418	413	411	406	404	399	397
KOTAKBNK	2083	2146	2126	2104	2084	2062	2042	2020
LICHOUSING	568	585	581	574	570	563	559	552
LT	4005	4182	4102	4054	3974	3926	3846	3798
LUPIN	2055	2189	2129	2092	2032	1995	1935	1898
MARUTI	15699	16293	16046	15873	15626	15453	15206	15033
M&M	3698	3905	3843	3770	3708	3635	3573	3500
MGL	1255	1320	1288	1271	1239	1222	1190	1173
MAZGAONDOC	2785	2969	2883	2834	2748	2699	2613	2564
PFC	375	395	388	382	375	369	362	356
RECLTD	359	378	373	366	361	354	349	342
RELIANCE	1519	1584	1554	1537	1507	1490	1460	1443
SBIN	968	1000	985	976	961	952	937	928
SUNPHARMA	1755	1855	1808	1781	1734	1707	1660	1633
SHRIRAMFINANCE	809	864	851	830	817	796	783	762
TITAN	3816	4003	3940	3878	3815	3753	3690	3628
TCS	3113	3313	3224	3169	3080	3025	2936	2881
TATAMOTORS	393	435	424	409	398	383	372	357
UPL	760	796	782	771	757	746	732	721
VALIENT	286	315	309	297	291	279	273	261
WIPRO	245	257	252	248	243	239	234	230

कोरमंडल के संकरसुब्रमण्यम को उर्वरक संघ का चेयरमैन चुना गया

2025-26 के लिए नया नेतृत्व, उर्वरक उत्पादन और किसान समर्थन पर फोकस; कृषि उत्पादकता बढ़ाने की चुनौतियां

उर्वरक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FAI) ने कोरमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुंदर संकरसुब्रमण्यम को 2025-26 सत्र के लिए चेयरमैन चुना है। यह चुनाव मंगलवार को FAI के वार्षिक अधिवेशन में हुआ, जहां संकरसुब्रमण्यम ने पूर्व चेयरमैन रमेश नायक (IFFCO) से पदभार ग्रहण किया। FAI, जो देश के प्रमुख उर्वरक निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करती है, ने इस कदम को कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण बताया। संकरसुब्रमण्यम, जो कोरमंडल के 30 वर्षों से अधिक अनुभवी नेता हैं, ने कहा, उर्वरक क्षेत्र में उत्पादन क्षमता बढ़ाना, सतत प्रथाओं को अपनाना और किसानों को सशक्त बनाना हमारा प्रमुख लक्ष्य होगा। कोरमंडल, मफ्तलाल ग्रुप की प्रमुख कंपनी, फॉस्फेटिक उर्वरकों और फसल संरक्षण उत्पादों में अग्रणी है। संकरसुब्रमण्यम के नेतृत्व में FAI सरकारी नीतियों जैसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) और सब्सिडी सुधारों पर जोर देगी।

भारत का उर्वरक क्षेत्र, जो 60 मिलियन टन वार्षिक खपत का सामना करता है, आयात पर 25% निर्भर है। FAI का फोकस उत्पादन लागत कम करने और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चुनाव किसान समृद्धि को बढ़ावा देगा। संकरसुब्रमण्यम का कार्यकाल जनवरी 2026 तक रहेगा।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in